



भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 205] नई दिल्ली, मंगलवार, मई 25, 1982/ज्येष्ठ 4, 1904
No.205] NEW DELHI, TUESDAY, MAY 25, 1982/JYAISTHA 4, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

आदेश

नई दिल्ली, 25 मई, 1982

का० आ० 246(अ):-18कक 1आई डी आर ए/82.--भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० 320 (अ) 18 कक आई डी आर ए/79 तारीख 26 मई 1979 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) द्वारा मैसर्स अपोलो जिधर कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, कलकत्ता नामक सम्पूर्ण औद्योगिक उपक्रम का प्रबंध, उद्योग (विकास और विनियमन अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 कक की उपधारा (1) के खंड (क) के अधीन 25 मई, 1982 तक तीन वर्ष की अवधि के लिए, जिसमें वह तारीख भी है, ग्रहण कर लिया गया था और मंचिब, बंद और स्थगित उद्योग विभाग, पश्चिमी बंगाल सरकार को जिसे अब सचिव, औद्योगिक पुनर्निर्माण विभाग, पश्चिमी बंगाल सरकार कहा जाता है उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबंध ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया गया था ;

और केंद्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम को, सचिव, औद्योगिक पुनर्निर्माण विभाग, पश्चिमी बंगाल सरकार के प्रबंध में 25 नवम्बर, 1982 तक छह मास की अवधि के लिए बना रहना चाहिए ;

अतः केंद्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 कक की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निदेश देती है कि उक्त आदेश 25 नवम्बर, 1982 तक, जिसमें यह तारीख भी है, छह मास की और अवधि के लिए प्रभावी बनाए रहेगा।

फ० ० 2(23)/80-सी यू एस]

आर० के० भार्गव, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY
(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 25th May, 1982

S.O. 246(E)/18AA/IDRA/82.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 320(E)/18AA/IDRA/79, dated the 26th May, 1979 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the whole of the Industrial Undertaking known as Messrs Apollo Zipper Company Private Limited, Calcutta, was taken over under clause (a) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of three years upto and inclusive of the 25th May, 1982 and the Secretary, Closed and Sick Industries Department, Government of West Bengal, now called Secretary, Industrial Reconstruction Department, Government of West Bengal, was authorised to take over the management of the said Industrial undertaking,

And, whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the said Industrial undertaking should continue under the management of the Secretary, Industrial Reconstruction Department, Government of West Bengal, for a further period of six months upto the 25th November, 1982 ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period of six months upto and inclusive of the 25th November, 1982.

[File No. 2(23)/80-CUS]

R. K. BHARGAVA, Jt. Secy.